

संसद टीवी विशेष: भारत-वयितनाम संबंध

प्रलिस के लयि:

भारत और वयितनाम, व्यापक रणनीतिक साझेदारी, आसयान-भारत वस्तु व्यापार समझौता, डजिटल भुगतान, QR कोड, आतंकवाद, साइबर सुरक्षा, हदि-परशांत कषेत्र, भारत की एकट ईसट पॉलिसी, महातमा गांधी, मेकांग-गंगा सहयोग (MGC), युनेसको वशिव धरोहर, INS कृपाण, VINBAX-2023 सैन्य अभ्यास, MILAN अंतरराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास, दक्षिण चीन सागर, आसयान, कृत्रमि बुद्धमित्ता, नवीकरणीय ऊर्जा, डजिटल अवसंरचना, जलवायु परविरतन, सतत विकास ।

मेन्स के लयि:

भारत के हतियों की सुरक्षा में भारत के पड़ोस और लुक ईसट नीति जैसी वदिशी नीतियों का महत्त्व ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नई दलिली में एक द्वपिक्षीय बैठक के दौरान [भारत और वयितनाम](#) ने अगले पाँच वर्षों में अपनी द्वपिक्षीय '[व्यापक रणनीतिक साझेदारी](#)' को मजबूत करने के लयि एक नई योजना की घोषणा की ।

- यह समझौता दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डालता है तथासीमा शुल्क कषमता नरिमाण, रेडियो और टेलीवजिन नेटवरक, कृषि, कानून और न्याय जैसे कषेत्रों पर जोर देता है ।

द्वपिक्षीय बैठक की मुख्य बातें क्या हैं?

- नई कार्य योजना:**
 - भारत और वयितनाम ने अगले पाँच वर्षों में अपनी द्वपिक्षीय '[व्यापक रणनीतिक साझेदारी](#)' को बढ़ाने के लयि एक नई कार्ययोजना का अनावरण कयिा ।
 - भारत-वयितनाम संबंधों को वर्ष 2016 में '[व्यापक रणनीतिक साझेदारी](#)' के स्तर तक बढ़ा दिया गया था । व्यापक रणनीतिक साझेदारी को लागू करने की कार्ययोजना वर्ष 2024 से 2028 तक लागू की जाएगी ।
 - जैसा कद्वपिक्षीय बैठक के बाद घोषणा की गई, इसमें डजिटल भुगतान कनेक्टविटी स्थापति करने और [आसयान-भारत वस्तु व्यापार समझौते](#) की समीक्षा में तेज़ी लाने की पहल शामिल है ।
- समझौते और वत्तितीय सहायता:**
 - यात्रा के दौरान दोनों देशों ने कृषि अनुसंधान, सीमा शुल्क कषमता नरिमाण, कानून और न्याय, मीडिया और पारंपरिक दवाओं को कवर करने वाले छह [समझौता ज्ञापनों \(Memorandums of Understanding- MoU\)](#) पर हस्ताक्षर कयिे ।
 - भारत ने वयितनाम को कुल **300 मिलियन अमेरिकी डॉलर** की दो [ऋण-सीमाएँ](#) भी प्रदान की ।
- व्यापार और डजिटल भुगतान:**
 - भारत ने पछिले दशक में वभिन्न कषेत्रों में व्यापार और सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला, तथा द्वपिक्षीय व्यापार **३5% की वृद्धि** तथा रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग में तेज़ी का उल्लेख कयिा ।
 - [आसयान-भारत वस्तु व्यापार समझौते](#) की समीक्षा शीघ्र पूरी होने से इस वृद्धि में सहायता मिलने की उम्मीद है ।
 - इसके अतरिकित वयितनाम ने **14.8 बलियन अमेरिकी डॉलर** से बढ़ाकर **20 बलियन अमेरिकी डॉलर** का नया द्वपिक्षीय व्यापार लक्ष्य प्रस्तावति कयिा ।
 - दोनों राष्ट्र [डजिटल भुगतान](#) कनेक्टविटी स्थापति करने, [QR कोड](#) तथा त्वरति भुगतान के माध्यम से सीमा पार लेनदेन बढ़ाने पर सहमत हुए ।
- रक्षा एवं सुरक्षा पर ध्यान:**
 - अभकिर्त्ताओं ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की, जसिमें नयाचांग में भारतीय अनुदान से वत्तिपोषति एक नया [आरमी सॉफ्टवेयर पार्क](#) भी शामिल है ।
 - इसके अलावा [आतंकवाद से नपिटने](#) और [साइबर सुरक्षा](#) के लयि भी द्वपिक्षीय सहयोग बढ़ाया जाएगा ।

- **मंदिरों का संरक्षण:**
 - कवांग नाम प्रांत के माई सन में स्थिति कई प्राचीनशवि मंदिरों के जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिये दोनों सरकारों के बीच एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किये गए।
- **हृदि-प्रशांत वज्रिन:**
 - भारत और वयितनाम दोनों ने एक स्वतंत्र, खुले और नयिम-आधारित हृदि-प्रशांत क्षेत्र के लिये अपनी प्रतबिद्धता की पुष्टि की, जिसमें वयितनाम भारत की एकट ईस्ट नीता में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिएगा।
 - भारत ने वसितारवाद की अपेक्षा वकिस को प्राथमकता दी तथा अप्रत्यक्ष रूप से क्षेत्र में चीन की गतविधियों के वषिय में चतियों का समाधान कयिा।

भारत-वयितनाम संबंधों की वर्तमान स्थिति क्या है?

- **ऐतहासिक और राजनयिक संबंध:**
 - **महात्मा गांधी और राष्ट्रपति हो ची मनिह (क्रमशः भारत और वयितनाम के राष्ट्रपति)** दोनों ही स्वतंत्रता आंदोलनों के दौरान अपने वचियों में समानता रखते थे।
 - भारत-वयितनाम के बीच राजनयिक संबंध वर्ष 1972 में स्थापित हुए थे और द्वपिकषीय संबंधों को वर्ष 2007 में सामरिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था जसिे वर्ष 2016 में व्यापक सामरिक साझेदारी में बदल दिया गया।
 - वर्ष 2020 में अपनाया गया "शांति, समृद्ध और लोगों के लिये संयुक्त दृष्टिकोण" अब हमारे संबंधों का मार्गदर्शन करता है।
 - वर्ष 2022 में दोनों राष्ट्रों ने अपने राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मनाई और अपने बहुमुखी सहयोग को मजबूत करने के लिये कार्य करना जारी रखा है।
- **आर्थिक सहयोग:**
 - ONGC वदिश लमिटिड भारत इलेक्ट्रॉनकिस् लमिटिड, हृदिस्तान कम्प्यूटर्स लमिटिड, बैंक ऑफ इंडिया आदि जैसी भारतीय कंपनियों की वयितनाम में उपस्थिति है।
 - भारत और वयितनाम के बीच अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक व्यापार आँकड़े 14.82 बलियिन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गए।
 - भारत का वयितनाम को नरियात 5.47 बलियिन अमेरिकी डॉलर था जबकि आयात कुल 9.35 बलियिन अमेरिकी डॉलर था।
 - वर्ष 2009 में हस्ताक्षरित आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौता एक तरजीही व्यापार व्यवस्था प्रदान करता है और वर्तमान में समीक्षाधीन है।
 - भारत वयितनाम को इंजीनियरिंग सामान, कृषि उत्पाद, रसायन, फार्मास्यूटिकलस्, इलेक्ट्रॉनकिस्, खनजि, वस्त्र और प्लास्टिक का नरियात करता है।
 - वयितनाम से आयात में कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल फोन, मशीनरी, इस्पात, रसायन, जूते, वस्त्र तथा लकड़ी के उत्पाद शामिल हैं।
 - वयितनाम में भारतीय नविश कुल मलाकर लगभग 2 बलियिन अमेरिकी डॉलर है, जसिमें ऊर्जा, खनजि प्रसंस्करण, कृषि प्रसंस्करण, आईटी, ऑटो घटक, फार्मास्यूटिकलस्, और बुनियादी अवसरचना जैसे क्षेत्र शामिल हैं।
 - वयितनाम की वदिशी नविश एजेंसी के अनुसार जनवरी-दसिंबर 2023 की अवधि के दौरान भारत में 53 नई परियोजनाएँ थीं, जनिका कुल मूल्य 131.90 मलियिन अमेरिकी डॉलर था।
 - इसके वपिरीत भारत में वयितनाम का नविश लगभग 28.55 मलियिन अमेरिकी डॉलर है, जो मुख्य रूप से उपभोक्ता वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनकिस्, नरिमाण, आईटी और फार्मास्यूटिकलस् में है।
- **वकिस साझेदारी:**
 - **मेकांग-गंगा सहयोग (MGC) फ्रेमवर्क** के तहत वकिस साझेदारी के तहत भारत ने 35 से अधिक वयितनामी प्रांतों में लगभग 45 त्वरति प्रभाव परियोजनाएँ पूरी की हैं और अन्य 10 परियोजनाएँ चल रही हैं।
 - वर्ष 2000 में स्थापित MGC में कंबोडिया, लाओस, म्याँमार, थाईलैंड, वयितनाम और भारत शामिल हैं, जो पर्यटन, संस्कृति, शकिसा, आईटी, दूरसंचार तथा परविहन पर केंद्रति हैं।
 - भारत ने कवांग-नाम प्रांत में **यूनेस्को वशिव धरोहर स्थल 'माय सन'** के संरक्षण का भी समर्थन कयिा है, जसिमें भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण- 2022 में इन स्थलों पर कई मंदिरों का जीर्णोद्धार पूरा करना शामिल है।
- **रक्षा और सुरक्षा संबंध:**
 - भारत और वयितनाम के बीच रक्षा और सुरक्षा संबंध सुदृढ़ हैं, जनिहें रक्षा सहयोग पर वर्ष 2009 के समझौता ज्ञापन और रक्षा सहयोग पर वर्ष 2015 के संयुक्त दृष्टिकोण से बल मलिा है।
 - वर्ष 2022 में उन्होंने 'वर्ष 2030 की दशिा में भारत-वयितनाम रक्षा भागीदारी पर संयुक्त वज्रिन वक्तव्य' और 'पारस्परिक रसद समर्थन पर समझौता ज्ञापन' पर हस्ताक्षर कयिे।
 - वयितनाम को वर्ष 2023 में स्वदेशी रूप से नरिमति मसिाइल कोरवेट **INS कृपाण** प्राप्त हुआ।
 - द्वपिकषीय सैन्य सहयोग में सटाफ वारता, युद्ध अभ्यास, प्रशकिसण और आदान-प्रदान शामिल हैं, जैसे कि **VINBAX-2023 सैन्य अभ्यास**। इसके अलावा एक वयितनामी नौसेना जहाज़ ने फरवरी 2024 में भारत में **MILAN अंतरराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास** में भाग लयिा।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान:**
 - भारतीय और वयितनामी संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं।
 - हो ची मनिह सटिी में पूरवोत्तर भारत महोत्सव जैसे कार्यक्रम सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाते हैं। प्राचीन बौद्ध संबंध वयितनामी बौद्ध वदिवानों और तीर्थयात्रियों की भारत यात्रा में परलिकषति होते हैं।
 - वयितनाम में योग का व्यापक रूप से अभ्यास कयिा जाता है, और कई भारतीय योग शकिसक इसकी लोकप्रयिता में योगदान देते हैं।
 - हनोई में स्वामी वविकानंद भारतीय सांस्कृतिक केंद्र वभिनिन कार्यक्रमों और गतविधियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने

तथा द्वपिक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत-वयितनाम संबंधों में चुनौतियाँ क्या हैं?

- व्यापार असंतुलन और बाज़ार अभगिम: उल्लेखनीय व्यापार वृद्धि के बावजूद वयितनाम से भारत का आयात उसके नरियात से अधिक है, जिससे भारत के लिये व्यापार संतुलन प्रतिकूल बना हुआ है।
 - इन व्यापार असंतुलों को दूर करना और दोनों देशों के उत्पादों के लिये बाज़ार अभगिम में सुधार करना एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है।
- हदि-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव: हदि-प्रशांत क्षेत्र में विशेष रूप से **दक्षिण चीन सागर** में चीन की आक्रामकता से संबंधित रणनीतिक प्रतदिवंदवता, भारत-वयितनाम संबंधों के लिये एक चुनौती है।
 - क्षेत्रीय सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता के संदर्भ में दोनों देशों की साझा चिंताएँ हैं, लेकिन इन भू-राजनीतिक तनावों को दूर करने के लिये सावधानीपूर्वक कूटनीतिक आवश्यकता होती है।
- अवसंरचनात्मक और रसद बाधाएँ: द्वपिक्षीय व्यापार और नविश का विकास कभी-कभी अवसंरचनात्मक और रसद चुनौतियों के कारण बाधित होता है।
 - सीमति संपर्क, अपर्याप्त बंदरगाह सुवधिएँ तथा अकुशल रसद दोनों देशों के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं के सुचारू प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं।
- सुरक्षा और रक्षा सहयोग जटलिताएँ: यद्यपि भारत और वयितनाम ने रक्षा सहयोग को सुदृढ़ किया है, फरि भी रक्षा-उपकरण खरीद, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं रणनीतिक संरेखण से संबंधित जटलिताएँ हैं।
 - रक्षा और सुरक्षा में प्रभावी सहयोग सुनिश्चित करने के लिये क्षेत्रीय सुरक्षा गतशीलता को नेवगिट करते हुए इन जटलिताओं को सुलझाना आवश्यक है।

आगे की राह

- व्यापक रणनीतिक साझेदारी: दोनों देशों को रक्षा, सुरक्षा एवं क्षेत्रीय स्थरिता सहति प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग का वसितार करके मौजूदा व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करना चाहिये।
- रक्षा और सुरक्षा: संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान को बढ़ाकर रक्षा संबंधों को मज़बूत करें।
 - समुद्री सुरक्षा, साइबर रक्षा और आतंकवाद-रोधी जैसे क्षेत्रों में आगे सहयोग की संभावना तलाशें।
- व्यापार वृद्धि: व्यापार बाधाओं को दूर करके, नरियात-आयात उत्पादों में वविधिता लाकर और प्रौद्योगिकी, ऊर्जा एवं फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर 20 बलियिन डॉलर के प्रस्तावति द्वपिक्षीय व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करने का लक्ष्य रखें।
 - व्यापार संचालन को सुगम बनाने के लिये **आसयान-भारत वस्तु व्यापार समझौते** की समीक्षा में तेज़ी लाएँ।
- नविश के अवसर: बुनयिादी ढाँचे, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी में उच्च प्रभाव वाली परयिोजनाओं की पहचान करके एवं उनका समर्थन करके द्वपिक्षीय नविश को बढ़ावा देना।
- मेकांग-गंगा सहयोग: क्षेत्रीय विकास चुनौतियों का समाधान करने वाली प्रभावशाली परयिोजनाओं पर ध्यान केंद्रति करके **मेकांग-गंगा सहयोग ढाँचे** का वसितार करना जारी रखना।
- इंडो-पैसफिकि वज़िन: एक स्वतंत्र, खुला और नयिम-आधारति इंडो-पैसफिकि क्षेत्र बनाए रखने पर सहयोग करना। क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने और क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक एकीकरण में **आसयान** की केंद्रीय भूमिका का समर्थन करने के लिये मलिकर कार्य करना।
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण: कृत्रमि बुद्धमितता, नवीकरणीय ऊर्जा और **डिजिटल बुनयिादी ढाँचे** जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं संयुक्त उद्यमों को बढ़ावा देना।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न:

????????

प्रश्न. नमिनलखिति देशों पर वचिर कीजयि:(2018)

1. ऑस्ट्रेलिया
2. कनाडा
3. चीन
4. भारत
5. जापान
6. यूएसए

उपर्युक्त में से कौन आसयान (ASEAN) के 'मुक्त-व्यापार भागीदारों' में शामिल हैं?

- (A) 1, 2, 4 और 5
- (B) 3, 4, 5 और 6
- (C) 1, 3, 4 और 5
- (D) 2, 3, 4 और 6

उत्तर: C

Q. कषेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (Regional Comprehensive Economic Partnership) पद कनि देशों के समूहों के संदर्भ में अक्सर सुर्खियों में रहता है? (2016)

- (A) जी20
- (B) आसयान
- (C) एससीओ
- (D) सार्क

उत्तर: (B)

??????

प्रश्न. शीतयुद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय परदृश्य के संदर्भ में भारत की पूर्वोन्मुखी नीतिके आर्थिक और सामरिक आयामों का मूल्यांकन कीजिये। (2016)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/sansad-tv-special-india,-vietnam-relations>

